

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलेक्टर, भीलवाडा

(पीठासीन अधिकारी राकेश कुमार आर0ए0एस0)

प्रकरण संख्या - 67/2016 - निगरानी

- | | | |
|---|------|---|
| 1. महेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र
भंवरलाल शर्मा निवासी
शंभूगढ़ तहसील आसीन्द | बनाम | 1. मुरलीधर पुत्र बंशीदास वैष्णव निवासी जयनगर
तहसील आसीन्द
2. ग्राम पंचायत शंभूगढ़ जरिये सचिव ग्राम पंचायत
शंभूगढ़ तहसील आसीन्द |
|---|------|---|

-निगराकार

- गैर निगराकार

निगरानी अन्तर्गत धारा 97 पंचायत राज अधिनियम विरुद्ध आदेश ग्राम पंचायत
शंभूगढ़ दिनांक 26.05.2014

उपस्थित -

1. श्री रामस्वरूप जोशी अधिवक्ता - निगराकार की ओर से
2. श्री संजय सेन, राकेश जैन अधिवक्ता - गैर निगराकार सं. 01 की ओर से

निर्णय

दिनांक 22.07.2019

निगराकार की ओर से यह निगरानी अन्तर्गत धारा 97 पंचायती राज अधिनियम विरुद्ध गैर निगराकारान के प्रस्तुत कर निवेदन किया गया कि निगराकार के मालिकाना हक अधिकार एवं आधिपत्य का एक आवासीय पुश्तैनी भूखण्ड ग्राम शंभूगढ़ तहसील आसीन्द में स्थित हैं जिसकी कुल नपती 42 फीट बाई 95 फीट है। उक्त आवासीय भूखण्ड का विगत 50 वर्षों से अधिक समय से निगराकार एवं उसके पूर्वजों का हक एवं कब्जा चला आ रहा है। गैर निगराकार सं. 02 ने उक्त भूखण्ड में से 42 फीट बाई 21 फीट भूमि का पुराने गृहों का विनियमितिकरण का पट्टा गैर निगराकार सं. 01 के हक में जारी किया गया जो पट्टा सं. 49 मिसल सं. 374 पर दर्ज हैं। गैर निगराकार सं. 02 ने राजस्थान पंचायत राज नियम के नियम 142 से 158 के प्रावधानों की अनुपालना नहीं की गयी है। गैर निगराकार सं. 01 अपने पूर्वजों के समय से ही ग्राम जयनगर में निवासरत हैं और निगराकार के भूखण्ड से उसका कोई लेना देना नहीं हैं। अतः निवेदन हैं कि निगराकार की निगरानी स्वीकार की जाकर गैर निगराकार सं. 02 द्वारा गैर निगराकार सं. 01 के पक्ष में दिनांक 26.05.2014 को जारीशुदा पट्टा सं. 49 मिसल सं. 374 फर्जी एवं बनावटी होने से निरस्त की जावे।

प्रस्तुत निगरानी इस न्यायालय में दिनांक 17.10.2016 को पंजीकृत करते हुये गैर निगराकारान को नोटिस जारी किये गये। गैर निगराकार सं. 01 की ओर से जवाब पेश हुआ। अधीनस्थ न्यायालय से रिकार्ड तलब किया गया। ग्राम पंचायत शंभूगढ़ से रिकार्ड प्राप्त हुआ।

उभयपक्ष अधिवक्ता उपस्थित। निगराकार अधिवक्ता ने लिखित बहस प्रस्तुत की। जिसमें बताया गया कि निगराकार के मालिकाना हक अधिकार एवं आधिपत्य का एक आवासीय पुश्तैनी भूखण्ड ग्राम शंभूगढ़ तहसील आसीन्द में स्थित हैं जिसकी कुल नपती 42 फीट बाई 95 फीट है। उक्त आवासीय भूखण्ड का विगत 50 वर्षों से अधिक समय से निगराकार एवं उसके पूर्वजों का हक एवं कब्जा चला आ रहा है। गैर निगराकार सं. 02 ने उक्त भूखण्ड में से 42 फीट बाई 21 फीट भूमि का पुराने गृहों का विनियमितिकरण का पट्टा गैर निगराकार सं. 01 के हक में जारी किया गया जो पट्टा



अतिरिक्त जिला कलेक्टर
भीलवाडा (राज.)

सं. 49 मिसल सं. 374 घर दर्ज हैं। गैर निगराकार सं. 02 ने राजस्थान पंचायत राज नियम के नियम धारा 142 से 158 के प्रावधानों की अनुपालना नहीं की गयी है। गैर निगराकार सं. 01 अपने पूर्वजों के समय से ही ग्राम जयनगर में निवासरत हैं और निगराकार के भूखण्ड से उसका कोई लेना देना नहीं है। गैर निगराकार सं. 02 द्वारा निगराकार के पक्ष में उसके आवासीय पुश्तौनी भूखण्ड के टुकड़े करते हुए निगराकार के पक्ष में 21 गुणा 42 फीट का ही पट्टा जारी कर शेष बची भूमि का गैर निगराकार सं. 01 एवं तेजू नायक के पक्ष में बिना किसी अधिकार के पट्टे जारी किये हैं जो निरस्त होने योग्य हैं। विवादग्रस्त पट्टे में मिसल सं. 374 व 1/95-96 तारीख दायर 21.12.12 तारीख फैसल 22.1.13 एवं 1.1.1996 हस्तलिखित हैं जिसमें पट्टा सं. 49 कम्प्यूटर से अंकित हैं लेकिन गैर निगराकार सं. 02 द्वारा पत्रावली सं. 1/95-96 का कोई रिकार्ड न्यायालय में पेश नहीं किया गया। गैर निगराकार सं. 02 द्वारा गैर निगराकार सं. 01 के हक में जारी पट्टे में जो पड़ौस अंकित किये गये हैं उनमें दक्षिण पड़ौस एवं पश्चिम पड़ौस में काट छांट की गयी है जिससे स्पष्ट है कि उक्त पट्टा फर्जी तैयार किया गया है जो निरस्त होने योग्य है। राजस्थान पंचायत राज अधिनियम की धारा 157 के अनुसार 50 वर्षों से पूर्व बने हुए मकानों के लिए पुराने गृहों के विनियमितकरण के पट्टे जारी किये जा सकते हैं लेकिन गैर निगराकार सं. 02 की मौका रिपोर्ट अनुसार विवादग्रस्त भूखण्ड का कोई पुख्ता निर्माण नहीं पाया गया है तथा पुराने गृह को ध्वस्त कर नया निर्माण किया जाता है तो पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ग्राम पंचायत द्वारा नियमानुसार स्वीकृति आवश्यक है। लेकिन ग्राम पंचायत की पत्रावली में किंसी प्रकार की स्वीकृति का उल्लेख नहीं है। इससे स्पष्ट है कि बिना विधिक प्रक्रिया अपनाये नियम विरुद्ध पट्टा जारी किया गया है जो निरस्त होने योग्य है। अतः निवेदन है कि निगराकार की निगरानी स्वीकार की जाकर गैर निगराकार सं. 02 द्वारा गैर निगराकार सं. 01 के पक्ष में जारीशुदा पट्टा सं. 49 मिसल सं. 374 को निरस्त किया जावे।

गैर निगराकार सं. 01 के अधिवक्ता ने अपनी लिखित बहस में बताया कि निगराकार द्वारा प्रस्तुत तथाकथित पट्टे अनुसार निगराकार की 21 बाई 42 फीट की जायदाद है जिनके पूर्व में रास्ता, पश्चिम - पड़त, उत्तर - ज्वारा बलाई, दक्षिण में - केश शर्मा हैं। उक्त जायदाद के पश्चिम में गैर निगराकार सं. 01 मुरलीधर के स्वामित्व में आधिपत्य की जायदाद स्थित है जिसका पट्टा ग्राम पंचायत द्वारा विधिवत् तरीके से जारी किया है। जिस पर गैर निगराकार सं. 01 अपने पीढी दर पीढी से उपयोग उपभोग करता चला आ रहा है। निगराकार ने अपने भूखण्ड की नपती गलत दर्शायी है, निगराकार की 21 बाई 45 फीट की जायदाद ही अवस्थित है, जिस पर वह काबिज है। उक्त भूखण्ड पर किसी प्रकार का कोई निर्माण निगराकार द्वारा नहीं किया गया है न ही कोई चारदीवार का निर्माण कर रखा है। गैर निगराकार सं. 01 के पक्ष में गैर निगराकार सं. 02 द्वारा जारी पट्टा पंचायती राज अधिनियम के नियमों एवं प्रावधानों की पूर्णतः पालना करके जारी किया गया है। निगराकार के द्वारा उक्त तथाकथित पट्टे के आधार पर एक स्थायी निषेधाज्ञा का वाद एवं अस्थाई निषेधाज्ञा का आवेदन गैर निगराकार सं. 01 व तेजमल नायक के विरुद्ध माननीय सिविल न्यायाधीश आसीन्द के न्यायालय में प्रस्तुत किया। सिविल न्यायालय में वादग्रस्त भूखण्ड पर गैर निगराकार सं. 01 का स्वत्व व आधिपत्य माना है। निगराकार को उक्त निगरानी प्रस्तुत करने की कोई लोकस स्टेण्डी नहीं है। निगराकार ने यह निगरानी बैरून मियाद प्रस्तुत की है। निवेदन है कि निगराकार की



अति. जिला कलक्टर

निगरानी आधारहीन होने एवं कानूनन पोषणीय न होने से खारिज किया जावे।

उभयपक्ष अधिवक्तों की बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली व दस्तावेजात का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया। जिसमें पाया गया कि ग्राम पंचायत शम्भूगढ़ की पत्रावली सं. 01 दिनांक 15.04.1995 अनुसार अन्दर हल्का आबादी में पुराने प्लाट बाबत् दिनांक 20.12.2010 को पुश्तैनी पट्टे जारी करने का प्रस्ताव पारित किया। ग्रामसभा में दिनांक 10.03.2011 को निर्णय लिया कि पत्रावली का अनुमोदन पंचायत समिति से प्राप्त होने के पश्चात् नियम 157(क) के तहत पट्टे जारी किये जाये। 95 व्यक्तियों के नाम पट्टे जारी करने का निर्णय लिया है, जिसमें क्रमांक 53 पर महेन्द्र पुत्र भंवर शर्मा, क्रमांक 64 पर मुरलीधर पुत्र बंशीदास साधु एवं क्रमांक 65 पर तेजू पुत्र बालूराम नायक पर पट्टे जारी करने का निर्णय अंकित है।

विकास अधिकारी पंचायत समिति आसीन्द ने मिसल नं. 1/15.4.95 ग्राम पंचायत शम्भूगढ़ के पत्र क्रमांक 2041 दिनांक 19.12.2011 से अनुमोदन किया गया। सरपंच ग्राम पंचायत शम्भूगढ़ ने नजरी नक्शा भी प्रमाणित किया है।

सरपंच ग्राम पंचायत शम्भूगढ़ ने पट्टा सं. 49 दिनांक 26.05.2014 को मुरलीधर पुत्र बंशीदास वैष्णव निवासी जयनगर के नाम क्षेत्रफल 42 बाई 21 फीट कुल 882 वर्गफीट का जारी किया। तेजू उर्फ तेजमल पुत्र बालूराम नायक निवासी नई आबादी शम्भूगढ़ के नाम 42 बाई 21 फीट कुल 882 वर्गफीट क्षेत्रफल का पट्टा जारी किया गया। इसी प्रकार निगराकार महेन्द्र पुत्र भंवर सेवक शर्मा के नाम 45 बाई 21 फीट कुल 945 वर्गफीट का पट्टा सं. 40 जारी किया गया। जबकि निगराकार ने अपनी निगरानी में अंकित किया कि ग्राम शंभूगढ़ तहसील आसीन्द में कुल नपती 42 फीट बाई 95 फीट क्षेत्रफल 3990 वर्गफीट का पुश्तैनी भूखण्ड पर मालिकाना हक अधिकार है। परन्तु कब्जे बाबत् कोई दस्तावेज पत्रावली पर उपलब्ध नहीं कराये है एवं ग्राम पंचायत के पास पंचायत राज नियम 157 (क) के तहत 3990 वर्गफीट क्षेत्रफल के भू भाग का पट्टा जारी करने के अधिकार नहीं हैं। निगराकार द्वारा विपक्षी के विरुद्ध सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट के यहां प्रार्थना पत्र अंतर्गत आदेश 39 नियम 1.2 सपटित धारा 151 जा. दी. बाबत् अस्थाई निषेधाज्ञा का प्रस्तुत किया गया जिसके प्रकरण सं. 32/17 मु.दी. दिनांक 07.05.2018 को न्यायालय द्वारा विपक्षी के पक्ष में निर्णय पारित करते हुए विपक्षी को उसके भूखण्ड का शांतिपूर्वक उपयोग उपभोग करने के आदेश प्रदान किये गये। उपरोक्त विवेचन अनुसार निगराकार की निगरानी स्वीकार योग्य नहीं उहरती है। अतएव -

आदेश

निगराकार की ओर से प्रस्तुत निगरानी अन्तर्गत धारा 97 पंचायती राज अधिनियम विरुद्ध ग्राम पंचायत शंभूगढ़ दस्तावेजी साक्ष्य के अभाव में खारिज की जाती हैं। निर्णय की प्रति ग्राम पंचायत शंभूगढ़ तहसील आसीन्द को प्रेषित किया जावे।

निर्णय-आज दिनांक 22.07.2019 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(राकेश कुमार)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर,
भीलवाड़ा (राज.)